MASA-01

December - Examination 2018

M.A. (Previous) Sanskrit Examination

वैदिक साहित्य एवं तुलनात्मक भाषाविज्ञान

Paper - MASA-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

Note: The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answers as per the given instructions.

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section - A $8 \times 2 = 16$

(Very Short Answer Questions)

Note: Answer **all** questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to 30 words. Each question carries 2 marks.

खण्ड – 'अ'

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) महर्षि पतंजलि के अनुसार ऋग्वेद की कितनी शाखायें मानी गयी हैं?

(ii) वरूण सूक्त के ऋषि कौन हैं?

(iii) पुरुष सूक्त में प्रयुक्त यज्ञ में आज्य तथा हवि किसे कहा गया है?

(iv) प्रजापति सूक्त के देवता कौन हैं?

(v) निरुक्त के नुसार ''पर्वत'' शब्द की व्युत्पत्ति लिखिए।

(vi) भूमि सूक्त के ऋषि का क्या नाम है?

(vii) ऋग्वेद के अष्टक एवं मण्डल क्रम में क्या अन्तर है?

(viii) कविक्रतु: किस देवता की उपाधि है?

(खण्ड – ब) **$4 \times 8 = 32$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्न में से किसी एक मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए:

(i) अग्ने शुक्रेण शोचिषा विश्वाभिर्देवहूतिभि:।
इमं स्तोमं जुषष्व न:।

अथवा

(ii) यस्य त्री पूर्णा मधुना पदान्यक्षीयमाणा स्वधया मदन्ति
य उ त्रिधातु पृथिवीमुतधा मेको दाधार भुवनानि विश्वा।।

3) निम्न में से किसी एक मन्त्र की सप्रसंग व्याख्या संस्कृतभाषा में कीजिए।

(i) द्यावा चिदस्मै पृथिवी नमेते
शुष्माचिदस्य पर्वता भयन्ते
य सोमपा निचितो वज्रबाहु:
यो वज्रहस्त: स जनास इन्द्र।।

अथवा

(ii) हिरण्यगर्भ: समवर्तताग्रे
भूतस्य जात: पतिरेक आसीत्।
स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमां
कस्मै देवाय हविषा विधेम।।

4) प्रश्न सं 2 या 3 में आये हुए किसी एक मन्त्र का पद–पाठ लिखिए।

5) निम्न में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए –
(i) सामवेद से सम्बन्ध ब्राह्मण ग्रन्थ।
(ii) नारदीय सूक्त।

6) निम्न में से किन्हीं दो शब्दों का निरुक्त के आधार पर निर्वचन कीजिए। 4+4=8

(i) ब्रह्मा
(ii) सीमा
(iii) निघण्टु
(iv) शाखा

7) ''षड् भावविकारा भवन्तीति वर्ष्यायाणि:'' निरुक्त के उक्त कथन को स्पष्ट कीजिए?

8) शिक्षा वेदांग को स्पष्ट कीजिए।

9) रुद्र देव का विस्तृत वर्णन कीजिए।

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आपको अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित करना है। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) वैदिक सृष्टि प्रक्रिया में यज्ञ के स्थान पर विशद लेख लिखिए।

11) भारतीय लेखन कला के इतिहास को रेखांकित करते हुए ब्राह्मी लिपि की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

12) निरुक्त किसे कहते हैं? निरुक्त ग्रन्थ के उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

13) भाषा विज्ञान किसे कहते हैं? भाषा विज्ञान के अंगों का वर्णन कीजिए।